

अपनी बात....

संपादकीय

मरीजों को सस्ती दवाएं मिलना सुनिश्चित हो

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जुड़ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूलें जाएं। इस जानलेवा रोग से जुड़ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मदों में ही काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन-शेड्यूल्ड एंटी-कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है।

दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का ययास समय की जरूरत भी है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दवाा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी।

वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दर्शायी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तिमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए। दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सप्लाई यथावत बनाये रखेंगी।

सही मायने में कीमतों में आई असली कमी ड्रुमरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय-समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्र्राइसिंग ऑथॉरिटी के 2०19 के उस फैसले को ही आगे



बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर-रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतः पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन को रेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है। वास्तव में कैंसर के मरीजों को राहत देने के उपायों के क्रम में और अधिक दवाइयों को इस राहत के दायरे में लाना होगा। जिसमें विदेशों से आयातित और पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। तभी कैंसर रोगियों को वास्तव में अधिक राहत मिल सकेगी क्योंकि अभी भी उन्हें बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। वैसे हकीकत में देखा जाए तो दवाइयों के मूल्य की सीमा तय करने के बाद भी कैंसर के महंगे इलाज का कारगर व्यापक समाधान संभव नहीं है। दरअसल, मरीजों के सामने जांच, सर्जरी, रेडिएशन, अस्पतालों में भर्ती होने और इलाज के बाद की देखभाल के लिये भारी-भरकम बिल चुकाने की मजबूरी होती है।

राहत के लिये अस्पतालों के जरिये बेची जाने वाली चिकित्सा सामग्री और दवाइयों की ज्यादा कीमतों की भी जांच होनी चाहिए। पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने भी इस बात को लेकर चिंता जतायी थी कि अस्पतालों में दवाइयों और चिकित्सा में सहायक उपकरणों के दाम मनमाने तरीके से वसूल जाते हैं। निश्चित रूप से देश में सुप्रीम कोर्ट की चिंता के अनुरूप चिकित्सा तंत्र में पारदर्शिता लाने और जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है।

सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। इस बाबत दवाा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि, मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दर्शायी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तिमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए।

वैचारिक मंच

श्रद्धांजलि : नाना पाटेकर

फिल्मों में अभिनेता नाना पाटेकर जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूँजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना ने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका जिंदगी में निभाई। वे उन लोगों के बीच खड़े दिखाई दिए, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था। सोशल मीडिया पर कॉमेडी रील देखते हुए अंत में एक चेहरा सामने आता है। जोर–जोर से हंसता हुआ, आंखों में शरारत और चेहरे पर वही बेतकलुफी, जिसे देखते ही ‘वेलकम’ के उदय शेट्टी की याद आ जाती है। यह चेहरा नाना पाटेकर का है। कभी इस चेहरे पर दर्शक हंसे थे, कभी इसकी आंखों में गुस्सा देखकर सहमे थे और कभी इसकी आवाज में छिपी पीड़ा ने उन्हें भीतर तक छुआ था। अब यह चेहरा असल दुनिया से विदा हो गया। नाना ने अपने पीछे अभिनय से कहीं बड़ी इंसानियत की विरासत छोड़ी है नाना पाटेकर दुनिया से चले गए, लेकिन उनका चेहरा शायद ही कभी हमारी स्मृतियों से विदा होगा। फिल्मों में वे जितनी बार दिखेंगे, उतनी ही बार उनकी आवाज कानों में गूँजेगी और उनके किरदार सामने आकर खड़े होंगे। मगर नाना को सिर्फ अभिनेता के रूप में याद करना उनके व्यक्तित्व से न्याय नहीं होगा। उन्होंने पर्दे पर जितना अभिनय किया, उससे कहीं ज्यादा गहरी भूमिका उन्होंने जिंदगी में निभाई। पर्दे पर वे कठोर थे, आक्रामक थे, व्यवस्था को चुनौती देते थे, कभी अपराधी बने, कभी सैनिक व कभी विद्रोही नायक। लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वही आदमी उन लोगों के बीच खड़ा दिखाई देता, जिनकी पीड़ा सुनने वाला भी कोई नहीं था।

नाना पाटेकर को याद करते हुए सबसे पहले उनकी आवाज सुनाई देती है–भारी, खुरदुरी और सीधे दिल में उतर जाने वाली। फिर उनका चेहरा सामने आता है। कभी गुस्से से तना हुआ, कभी व्यस्था से लड़ता , कभी किसी को चुनौती देता और कभी अचानक खिलखिलाकर हंसता हुआ।

हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने ऐसे किरदारों को जन्म दिया, जिन्हें केवल अभिनय से नहीं, अपने पूरे व्यक्तित्व से ‘जिया। ‘परिदा’ का अन्ना हो, ‘प्रहार’ का कठोर सैनिक, ‘क्रांतिवीर’ का प्रताप हो या ‘तिरंगा’ का तेवर–नाना ने हर किरदार को अपनी आवाज, आंखों और देहभाषा से ऐसा रूप दिया कि वह चरित्र अभिनेता से बड़ा होकर सिनेमा की स्मृति का हिस्सा बन गया। फिर वही नाना ‘वेलकम’ में उदय शेट्टी



बनकर सामने आए तो उनकी अभिनय क्षमता का दूसरा सिरा भी दिखाई दिया। जिस अभिनेता को देखकर दर्शक ‘परिदा’ और ‘क्रांतिवीर’ में सहम सकते थे, वही ‘वेलकम’ में अपनी अजीबो–गरीब हंसी, अंदाज और संवादों से लोगों को हंसाता रहा।उनकी खासियत थी कि वे किसी एक खांचे में फिट होने वाले अभिनेता नहीं थे। उनके भीतर गुस्सा भी था, करुणा भी; कठोरता भी थी और हास्य भी। नाना पाटेकर का फिल्मी सफर 1978 की ‘गमन’ से शुरू हुआ। ‘अंकुश’ ने उन्हें पहचान दी और ‘परिदा’ ने उनके अभिनय को नई ऊंचाई तक पहुंचाया। इसके बाद ‘प्रहार’, ‘तिरंगा’, ‘क्रांतिवीर’, ‘खामोशी’, ‘अग्निप्राक्षी’, ‘अब तक छप्पन’, ‘नटसम्राट’ और ‘वेलकम’ जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय के विविध रंग सामने रखे। उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से लेकर 2०13 में पद्मश्री सम्मान तक हासिल किया। लेकिन पुरस्कारों की लंबी सूची उस नाना को पूरी तरह परिभाषित नहीं कर सकती, जिसे उनके चाहने वाले एक बेहद सादा और संवेदनशील इंसान के रूप में याद करते हैं।

नाना एक संवेदनशील इंसान थे। महाराष्ट्र के किसानों की त्रासदी ने उन्हें भीतर तक झकझोरा। विदर्भ और मराठवाड़ा के सूखे इलाकों में जब किसानों की आत्महत्याओं की खबरें लगातार सामने आ रही थीं, तब उन्होंने केवल दुःख जताने तक खुद को सीमित नहीं रखा। वे गांवों में गए, किसानों से मिले, उनके परिवारों के बीच बैठे और उनकी पेशानियों को समझने की कोशिश की। किसान परिवारों की सहायता के लिए काम शुरू किया, जो आगे चलकर ‘नाम फाउंडेशन’ के रूप में सामने आया। यह नाना की जिंदगी का शायद सबसे बड़ा अध्याय था। जिस आदमी को सिनेमा ने करोड़ों लोगों की पहचान दी, उसने उस पहचान को अपने लिए नहीं, जरूरतमंदों तक पहुंचने के

लिए इस्तेमाल किया।

यहीं नाना पाटेकर अपने फिल्मी किरदारों से कहीं बड़े दिखाई देते हैं। पर्दे पर उन्होंने ऐसे किरदार निभाए, जो अपने गुस्से और तेवर से व्यवस्था को चुनौती देते थे। असल जिंदगी में उन्होंने उन लोगों का साथ देने की कोशिश की, जो व्यवस्था की सबसे कमजोर सीढ़ी पर खड़े थे। शायद इसलिए उनकी सामाजिक भूमिका उनके अभिनय से अलग नहीं थी। दोनों के पीछे एक ही चीज काम करती थी–अन्याय और पीड़ा को देखकर भीतर से बेचैन हो जाना। नाना को दिखावे से हमेशा दूरी रही। उनका रहन–सहन सादा रहा। बातचीत में भी बनावटीपन नहीं था। यही वजह थी कि उन्हें देखकर लगता था कि यह व्यक्ति पर्दे पर जितना बड़ा अभिनेता है, निजी जिंदगी में उतना ही सहज इंसान है।

नाना पाटेकर का जाना सिनेमा के लिए निश्चित रूप से एक बड़ा नुकसान है, लेकिन शायद उससे भी बड़ी क्षति उस दुनिया की हुई है, जहां नेकी को प्रचार की जरूरत नहीं होती। वे अपनी फिल्मों में जीवित रहेंगे, उनके संवाद फिर सुनाई देंगे, ‘वेलकम’ का उदय शेट्टी देखकर लोग फिर हसेंगे और ‘क्रांतिवीर’ या ‘परिदा’ में वही पुराना गुस्सा फिर दिखाई देगा। मगर अब इन दृश्यों के पीछे खड़ा असली नाना दिखाई नहीं देगा। वह आदमी, जो पर्दे पर खूंखार हो सकता था, लेकिन जिंदगी में किसी किसान के आंसू देखकर पिघल जाता था। वह अभिनेता, जिसने लाखों दर्शकों को डराया भी, हंसाया भी व रुलाया भी, लेकिन असल जिंदगी में दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करता रहा। शायद यही नाना पाटेकर की सबसे बड़ी विरासत है। सिनेमा का पर्दा उनके बिना जरूर सूना होगा, लेकिन नेकी की दुनिया में जो जगह उन्होंने बनाई, उसे भर पाना आसान नहीं होगा।

ये कैसी ब्यूरोक्रेसी जहाँ हार का मतलब वोट चोरी

राजनीतिक विशलेषक/ जोनपुर रूपी

पंकज सीबी मिश्रा

इंडियन एक्सप्रेस की किसी महिला पत्रकार ने विपक्ष के लिए काफी मेहनत करके एक रिपोर्ट बनाई, और उसमें खुलासा किया है कि चुनाव आयोग के दो अधिकारियों ने बहुत बार अपनी नाखुशी जाहिर की थी मुख्य चुनाव अधिकारी को और लिखित में अपना प्रतिरोध जाहिर किया था और ज्ञानेश कुमार ने अपनी मनमर्जी पलाई। फॉर्म 6 बदल दिया और चुनावों में धांधली हुई। उधर फ़ील्डिंग सेंट थी, कॉंक्रेच के अमिजीत दीपक और लेफ्टिस्ट नेहा बोरा को पहले से सूचना दे दी गई थी की ज्ञानेश कुमार को घेरा जायेगा क्योंकि चुनाव से पहले ही यदि चुनाव आयोग को खा लिया जाए तो जनता कंनयूज हो जाएगी और सत्ता मिल सकती है। ऐसे में राहुल की गट फ़ील्डिंग कह रही की वोट चोरी हुई है, उधर वादे का रकम तथाकथित पत्रकारनी महोदया तक पहुंचा भी दी गई होगी पर अब एजेंडा सेंट है, अफवाह फैलाना था कि एएसआईआर में किस प्रकार जान बूझ कर लोगों को वोट देने से मना किया गया ताकि बीजेपी को फ़ायदा मिले और जनता सोपे की भाजपा टेम्पलिंग कर रही ।

पूरा विपक्षी गैंग बधाई की पात्र हैं। लेकिन मेरा सवाल ये है कि टिंटू यादव की चोरी और इंडियन एक्सप्रेस की बजरगरी की खबर सबसे पहले विपक्ष को ही कैसे मिला ?क्या टिंटू और टिन्नी विपक्ष द्वारा प्लांट की गई ! दोनों को बलि का बकरा क्यों स्वीकार हुआ और विपक्ष से कितने रूपये में डील हुई होगी ? कैसे दे दी कि इसे छापा जाए। पिछले बारह वर्षों में हमने प्रेस को रंगते देखा है फिर अचानक से तो ये बहादुर नहीं हो जाएँगे ना ! राहुल गांधी इस मुद्दे को कई महीनों से उठा रहे थे। और राहुल गांधी हवा में तीर नहीं चलाते, पहले अपने तीर पर झूठ



का पुलनडा सेंट करते है कुछ दिन हवा बनाते है फिर कोर्ट की डांट सुनते है और माफ़ी मांग लेते है। इतना तो मुझे समझ आ गया है। मैं उनके कई नीतियों और उनकी पार्टी की कई नीतियों से सहमत नहीं होता लेकिन राहुल गांधी एक अच्छे नेता हैं, ये मैं नहीं मानता हूँ। निर्वाचन आयोग और भाजपा पर इल्जाम के तर्क इतने खोखले और बचकाने हैं? कि दस साल का बच्चा भी इन्हें सुनकर हंस देगा ! इससे ज्यादा तर्कसंगत बातें तो आजकल बच्चे करने लगे हैं । आखिर तीन सदस्य वाली टीम में किसी भी निर्णय और पेपर वर्क में तीनों का सिनेचर होता है फिर अकेले ज्ञानेश कुमार ही क्यों निशाने पर ? क्योंकि सैम पितरोदा की फ़ील्डिंग कभी परफेक्ट प्लान से सेंट नहीं होता और राहुल पप्पुगिरी के लिए बदनाम है ऊपर से नाकारे कॉंकरोच रूपी आपिये भी इस बार जोश में है तो विपक्ष को लगा होगा मौका अच्छा है पर मुझे पता है इस बार राहुल दीपकें गैंग को लें डूबेंगे।

एक वायरल नोटिस के अनुसार आयोग ने माना है कि दस महीने में 14 बार दो चुनाव आयुक्तों ने अपनी

असहमतियां दर्ज करवाई हैं मगर उसका कहना है कि असहमतियां तो निर्णय प्रक्रिया का अंग हैं। फिर इसे धांधली से जोड़ने की क्या मंशा ! उधर भाजपा के प्रवक्ता सबित पात्रा और सुधांशु त्रिवेदी ने जो बयानों से धागे खोले है विपक्ष के उसपर विपक्ष कारहता नजर आ रहा। सरकार से असहमति का होना तो जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है लेकिन चुनाव आयोग से असहमत होना केवल लगातार हार की खोज है। इनसे पृष्टिष् कि पिछले बारह सालों में असहमति का सम्मान होते कब देखा है ?उल्टे असहमति प्रकट करने वालों का चरित्र हनन किया गया है। उन्हें भद्दी भद्दी गालियां दी गई हैं। गोदी मिडिया कहना क्यों शुरू किया ! और अब मिडिया का अहम जाग गया तो फिर मिडिया के ही कंधे पर बन्दुक रख विपक्ष चुनाव आयोग पर फायर कर रहा। संसद में तो छोड़िए विपक्ष के अंदर असहमति है।

अपने सीनियर नेता के सम्मान का कोई एक उदाहरण है ? क्या एक भी ऐसा नेता है,जो युवराज के फिलिंग से असहमति जताकर एक दिन भी पार्टी में रह सकता है ? असहमति जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक तब होती है,जब उसका सम्मान हो? यहां तो असहमति को कुचल कर ही बाहर विदेशों से निर्णय लिए गए हैं। ज्ञानेश कुमार पर आप भी इसी तरह की सड़ी बहानेबाजी कर रहे हैं राहुल गाँधी ? जब आप अपने कार्यकर्ताओ की सुन नहीं रहे हैं और निर्णय स्वयं ले रहे हैं तो चुनाव आयोग पर इल्जाम जैसे निर्णय सर्वमान्य प्रक्रिया का हिस्सा कैसे कहा जा सकता है ? इस असहमति के बीच से सहमति का रास्ता निकला होता तो आज इतना बड़ा मसला नहीं बना होता।यही तो मसला है कि आप ऊपर के इशारे और भरोसे पर किसी की भी नहीं सुनते हैं ? बतौर कांग्रेस किसी ने गोवा की एक रिपोर्ट की टीप दी है कि वहां मतदाता सूची जारी करने से चार दिन पहले तक वहां के मुख्य चुनाव अधिकारी ने सात दिन में आठ ईमेल भेजे कि 97 मतदाता एस आई आर में मतदान के पात्र पाये गए हैं, इन्हें मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए मगर

मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस पर गौर करना जरूरी नहीं समझा।

उन्हें नाम हटाने और झूठ बोलने की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि सब डिजिटल और सॉफ्टवेयर ओरिएण्टेड है। कॉकरोचो और विपक्षी नेताओं ने तो ज्ञानेश कुमार आपके कहने से इस्तीफा देने वाले हैं और न कोई उन्हें गिरफ्तार करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट भी हो सकता है अभी आए उबाल को शांत करने के लिए शाब्दिक बहादुरी दिखाए और इस पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दे और आगामी विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर भाजपा फिर जीत जाए क्योंकि राहुल गाँधी का हर एजेंडा बैक फायर करता ही है। जब तक ये नेता खुद नहीं उठेंगे, खुद बलियान देने की हद तक नहीं जाएंगे अहिंसक आंदोलन खड़ा करके झूठ और बेईमानी के इस किले को ध्वस्त नहीं करेंगे, कुछ नहीं होगा। आज विपक्ष के तमाम नेताओं के जो वक्तव्य आए हैं, उनमें कहीं गई सारी बातें हवा- हवाई हैं। क्या आपने गौर किया है कि पिछले एक-दो महीने से राहुल गांधी सोशल मीडिया प छापे हुए हैं। ये जो चुनाव आयोग की खबर बाहर आई है , बिना किसी ब्यूरोक्रेट के बताये तो बाहर निकलती नहीं। राहुल गांधी ने भी हमेशा कहा है कि उनको अंदर की खबर मिलते रहती है। तो सवाल ये उठता है कि क्या भारत का शापक वर्ग (पूँजीपति वर्ग + ब्यूरोक्रेसी + उच्च स्वर्ण जातियां) अब सत्ता परिवर्तन चाहती है। वैसे भी मोदी जी सिर्फ दो लोगों के लिए काम कर रहे थे। बाकी पूँजीपति वर्ग तो नाराज था ही पर विकल्प नहीं है। जहाँ तक बात ज्ञानेश कुमार की है, उनका रोल खत्म हो चुका है। सरकार ने पहले ही कानून बना कर उनको सेफगार्ड कर लिया था। नब्बे के दशक की कोई फिल्म लगती है जिसमें सरकार या बड़ा डॉन किसी को इस्तेमाल करता है और जब जरूरत खत्म हो जाये तो उसे मक्खों की तरह निकाल फेंकता है। सरकार के तथाकथित चैनलस् ज्ञानेश कुमार को तानाशाह बुलाने लगे हैं ! ऐसे में क्या अब मिडिया भी अलग फाइट के मूड में है। देखिए आगे आगे क्या होता है।

भैरवनाथ के दर्शन के बिना अधूरी क्यों मानी जाती है माता वैष्णो देवी की यात्रा

जम्मू-कश्मीर के कटरा स्थित त्रिकुटा पर्वत पर माता वैष्णो देवी का पवित्र धाम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां माता की पूजा किसी प्रतिमा के रूप में नहीं, बल्कि गुफा में मौजूद तीन प्राकृतिक पिंडियों के रूप में की जाती है।मान्यता है कि ये तीनों पिंडियां महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी की शक्तियों का प्रतीक हैं। क्या आप जानते हैं कि माता वैष्णो देवी की इस पवित्र गुफा की कथा पंडित श्रीधर और भैरवनाथ से भी जुड़ी है? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता वैष्णो देवी तीन प्रमुख शक्तियों– महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी–के संयुक्त स्वरूप हैं। त्रिकुटा पर्वत की पवित्र गुफा में मौजूद तीन प्राकृतिक



पिंडियों को इन्हीं तीन शक्तियों का प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से यहां माता की पूजा तीन पिंडियों के रूप में की जाती है।प्रचलित कथा के अनुसार, कटरा के पास हंसली गांव

में पंडित श्रीधर नाम के एक धार्मिक व्यक्ति रहते थे। एक बार उन्होंने गांव के लोगों का आशीर्वाद दिया। इसके बाद श्रीधर ने उस गुफा की खोज की। यहीं से माता वैष्णो देवी के पवित्र धाम की परंपरा आगे बढ़ी।कथा के अनुसार, भंडारे में गुरु गोरखनाथ और उनके शिष्य भैरवनाथ भी पहुंचे थे। भैरवनाथ ने वैष्णवी से मांसाहारी भोजन की मांग की, लेकिन उन्होंने सात्विक भोजन होने की बात कही। इसके बाद भैरवनाथ ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया और वैष्णवी त्रिकुटा पर्वत की ओर चली गईं। कहा जाता है कि यात्रा के दौरान माता ने अपने बाण से धरती पर जलधारा उत्पन्न की, जिसे आज बाणगंगा

उनका नाम वैष्णवी बताया जाता है। उन्होंने भंडारे की पूरी व्यवस्था संभाली और सभी लोगों को भोजन कराया। भंडारा समाप्त होने के बाद वह कन्या अचानक वहां से गायब

के नाम से जाना जाता है। इसके बाद उन्होंने अर्धकुंवारी की गुफा में तपस्या की। मान्यता है कि यहां उन्होंने कुछ समय तक साधना की और हनुमान ने उनकी रक्षा की।

अंत में माता ने अपना दिव्य स्वरूप धारण किया और भैरवनाथ का वध कर दिया। भैरवनाथ का सिर जिस स्थान पर गिरा, उसे आज भैरव घाटी के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि अपनी गलती का एहसास होने पर भैरवनाथ ने माता से क्षमा मांगी। माता ने उन्हें क्षमा करते हुए वरदान दिया कि उनके दर्शन के बिना वैष्णो देवी की यात्रा पूर्ण नहीं मानी जाएगी। यही वजह है कि आज भी श्रद्धालु माता के भवन में दर्शन के बाद भैरवनाथ मंदिर जरूर जाते हैं।

नाना पाटेकर

(1951–2026)



अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसूच प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फ़ोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहको/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोटल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com

वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च में कांग्रेस और गठबंधन का जोरदार प्रदर्शन

» काली पट्टी बांधकर निकले कांग्रेसजन, ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने और जेल भेजने की उठाई मांग

» कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन और पुतला दहन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एआईसीसी एवं पीसीसी के निर्देशानुसार तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं दृढ़ष्ट्ठ गठबंधन के संयुक्त निर्णय के तहत महानगर कांग्रेस द्वारा «वोट बचाओड्डदेश बचाओ» मार्च का आयोजन काली पट्टी बांधकर अम्बेडकर प्रतिमा,

फर्जी दस्तावेजों से दो पासपोर्ट बनवाने वाला आरोपी गिरफ्तार



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेकनगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पासपोर्ट अधिनियम और धोखाधड़ी के मामले में वांछित आरोपी हफीजुर रहमान उर्फ अब्दुल हमीद को गिरफ्तार किया।आरोपी की उम्र करीब 42 वर्ष बताई गई है और वह जाजमऊ क्षेत्र का रहने वाला है।



पुलिसभर्ती देखें पुलिस के अनुसार आरोपी ने फर्जी कुटरचित दस्तावेज तैयार कर अपने नाम से दो पासपोर्ट बनवाए थे।दोनों पासपोर्ट में अलग-अलग जन्मतिथि और नाम दर्ज होने की बात सामने आई है। जांच में आरोपी के वर्ष 1997 से 2006 तक कई बार विदेश यात्रा करने की जानकारी भी सामने आई। मामले में थाना बेकनगंज में मुाओसं0 103/2026 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर मकबरा शहीद के पास से आरोपी को दबोचा। आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज और पासपोर्ट बनवाने वालों में हड़कंप मचा है।

द्वितीय चरण ‘जनसंख्या गणना’ के लिए फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण ‘जनसंख्या गणना’ के अंतर्गत फील्ड ट्रेनरों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे फील्ड ट्रेनरों को संबोधित किया। जनपद कानपुर नगर में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना का कार्य सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित कराने के लिए कुल 186 फील्ड ट्रेनरों को 06 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट तथा कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम चरण में 07 से 09 अक्टूबर 2026 तथा आगामी चरण में 12,



13 एवं 14 अक्टूबर 2026 को कलेक्ट्रेट एवं केडीए में फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक बैच में लगभग 40 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिलाधिकारी श्री महेंद्र सिंह तंवर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे फील्ड ट्रेनरों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता एवं ध्यानपूर्वक प्राप्त करें, क्योंकि प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें फील्ड में जाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण जितना

रहलु गांधी,प्रियंका गांधी से हुई बदसलूकी की भी निंदा की गई।सभी ने कलेक्ट्रेट के बाहर धरना प्रदर्शन किया और चुनाव आयुक्त का पुतला भी फूंका। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने «ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करो» और «ज्ञानेश कुमार को जेल भेजो» जैसे नारे लगाते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों ने वोट बचाने और देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के संकल्प के साथ अपनी आवाज बुलंद की। पवन गुप्ता ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की मांग को प्रमुखता से उठाया।पवन गुप्ता ने कहा कि ज्ञानेश कुमार का झूठ पकड़ा जा चुका है। पूरा देश आज ज्ञानेश कुमार पर कार्यवाही चाहता है।

तरीके से जवाब दे पाएंगे, उतनी ही प्रभावी ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण को अधिक से अधिक इंटरैक्टिव रखा जाए। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी विषय को लेकर कोई प्रश्न अथवा शंका हो तो बिना किसी संकोच के मास्टर ट्रेनरों से प्रश्न पूछकर उसका समाधान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान छोटी-छोटी शंकाओं का समाधान कर लेना फील्ड में कार्य करते समय आने वाली समस्याओं से बचने में काफी सहायक होगा। उन्होंने सभी फील्ड ट्रेनरों से कहा कि वे प्रशिक्षण के प्रत्येक सत्र में सक्रिय सहभागिता करें तथा जनसंख्या गणना से संबंधित सभी प्रक्रियाओं, प्रपत्रों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों को भली-भांति समझें, ताकि फील्ड में जाकर जनगणना को सटीक, गुणवत्तापूर्ण एवं निश्चित मानकों के अनुरूप संपादित कराया जा सके।

डीसीपी ट्रैफिक द्वारा वाहनो एवं निजी एसी बसों की कराई गयी सघन चेकिंग



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर में Meet & Greet- Fire Security Check अभियान के अंतर्गत भौती बाईपास चेक प्वाइंट पर डीसीपी ट्रैफिक अभय नाथ त्रिपाठी द्वारा वाहनो एवं निजी एसी बसों की सघन वाहन एवं सुरक्षा चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बसों की फायर सेफ्टी व्यवस्था, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशीलता तथा यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।इस दौरान बस चालकों एवं परिचालकों/कर्मचारियों को यातायात नियमों का पालन करने, वाहन को सुरक्षित गति से संचालित करने, फायर सेफ्टी उपकरणों को दुरुस्त रखने तथा किसी भी अपात स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा यात्री वाहनों की नियमित चेकिंग एवं सुरक्षा मानकों के अनुपालन के माध्यम से सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सपा कार्यकर्ताओं का धरना-प्रदर्शन गिरफ्तारी के विरोध में जताया आक्रोश



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गीता नगर क्रॉसिंग के पास मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने यूथ बिगैड के जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह समेत अन्य समाजवादी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी का विरोध किया। धरने में शामिल कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और चुनाव आयोग के खिलाफ भी नारे लगाए। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष युथ बिगैड कानपुर ग्रामीण एवं पूर्व पार्षद प्रत्याशी पटेल पवन हिंदुस्तानी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। मौके पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के समर्थन में नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया।

सनातन विरोधी बयानों के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी के संस्थापक का फूँका पुतला

सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति एवं शंकर सेना ने की निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कांकरोच जनता पार्टी’ के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा दिए गए कथित सनातन विरोधी बयानों एवं कृत्यों के विरोध में बुधवार को ‘सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति’ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए प्रतीकात्मक पुतला दहन किया कार्यक्रम के दौरान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने कहा, «सनातन धर्म, हिंदू धार्मिक परंपराओं, देवी-देवताओं एवं आस्थाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी या गतिविधि समाज की धार्मिक भावनाओं को गंभीर रूप से आहत करती है ऐसे बयानों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।»

वहीं, उपाध्यक्ष सुधीर द्विवेदी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए। मुद्देसमझें लेकिन इसके साथ ही धार्मिक आस्थाओं एवं सामाजिक सद्भाव की मर्यादा का पालन भी अति आवश्यक है कार्यक्रम संयोजक आकाश ठाकुर ने प्रशासन से मांग की कि अभिजीत दीपके से संबंधित बयानों एवं गतिविधियों की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए और कानून का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए प्रदर्शन में मौजूद शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा ने अपने संबोधन में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, «सनातन धर्म और हमारी धार्मिक आस्थाओं पर आघात करने का प्रयास करने वाले तत्वों को अब बख्शा नहीं जाएगा अगर प्रशासन समय रहते ऐसे लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं करता है, तो शंकर सेना भी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए

तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत, बगाही में टूटा होर्डिंग बोर्ड

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। औद्योगिक नगरी कानपुर में बुधवार दोपहर अचानक मौसम ने मिजाज बदल लिया। देखते ही देखते आसमान में काले घने बादल घिर आए और तेज हवाओं के साथ शहर के विभिन्न इलाकों में झमाझम बारिश शुरू हो गई दोपहर में ही छाप घने बादलों के कारण लोगों को शाम होने का एहसास होने लगा। अचानक हुई इस झमाझम बारिश से पिछले कुछ दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से क्षेत्रीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग ने आगामी कुछ घंटों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है मौसम के इस अचानक बदलाव और तेज हवाओं के चलते बगाही चौराहा से किदवाई नगर मार्ग पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

यहां हवा के भारी दबाव के कारण सड़क किनारे लगा एक बड़ा एडवर्टाइजिंग (होर्डिंग) बोर्ड उखड़कर टूट गया और पास से गुजर रही बिजली की हाईटेशन



केबिलों में जाकर अटक गया गनीमत यह रही कि बोर्ड गिरने के वक्त नीचे से गुजर रहा कोई राहगीर या दुपहिया वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, बिजली की केबिलों में बोर्ड लटकने और संभावित खतरे को देखते हुए मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारु कराने और बोर्ड हटाने की कार्रवाई शुरू की।

डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई तेज

सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन और जनजागरूकता अभियान चलाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देश पर नोडल अधिकारी (वोबीडी) डा. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, एलटी गणेश शंखवार एवं जनपदीय टीम ने चन्द्र नगर, सनिगवां में डेंगू के मामले का भौतिक निरीक्षण एवं सत्यापन किया। टीम ने क्षेत्र में बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का सत्यापन कर लोगों को डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। चन्द्र नगर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सात सामान्य मरीजों को देखा गया तथा सात

मरीजों की मलेरिया, डेंगू एवं टाइफाइड की जांच की गई। मलेरिया जांच में कोई मरीज धनात्मक नहीं मिला। वहीं कॉपरगंज क्षेत्र के शारदा नगर एवं मंझावन रमईपुर में सामने आए डेंगू के दोनों मामलों पर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई पूर्ण करा दी गई। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में एंटमोलॉजिकल सर्वेक्षण एवं सोर्स रिडक्शन अभियान के दौरान 895 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इनमें 26 घर लार्वा धनात्मक पाए गए। कुल 7,858 पात्रों की जांच की गई तथा 42 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया। लोगों से घरों एवं आसपास पानी जमा न होने देने, जलभराव समाप्त करने, मच्छररोधी उपाय अपनाने तथा शरीर को पूरी तरह ढककर रखने की अपील की गई।

संचारी रोगों से संबंधित सूचना अथवा जानकारी के लिए यूएचएम चिकित्सालय, पेरड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512- 2333810 एवं 9335301096 तथा नगर



निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर संपर्क किया जा सकता है।

बैंक ऑफ इंडिया में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर जागरूकता अभियान आयोजित

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी से सावधान रहने की अपील

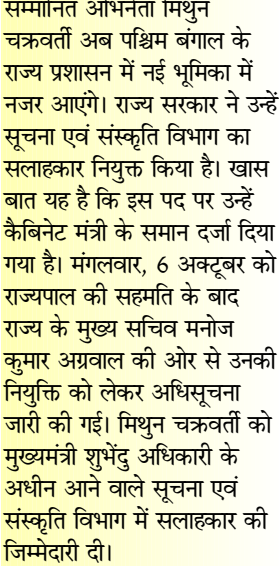
» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बैंक ऑफ इंडिया, कानपुर के आंचलिक कार्यालय में सोमवार को वित्तीय साक्षरता एवं साइबर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य ग्राहकों एवं बैंक स्टाफ को सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल लेन-देन तथा बढ़ते साइबर अपराधों, विशेष रूप से ‘डिजिटल अरेस्ट’ के नाम पर होने वाली ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में आंचलिक प्रबंधक



अभय कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी पुलिस, सीबीआई, आरबीआई अथवा अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से लोगों को डराते-धमकाते हैं और धनराशि स्थानांतरित करने का दबाव बनाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी या जांच एजेंसी फोन

की। साथ ही प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की जानकारी भी दी गई। उप आंचलिक प्रबंधक मदन सिंह नपलच्याल ने सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए मजबूत पासवर्ड रखने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अनजान मोबाइल एप डाउनलोड न करने तथा सोशल मीडिया एवं अनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतने की सलाह दी। साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में बैंक के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।





फिल्मी कैनवास पर निखरता कानपुर 'गांधी एंड माय मदर' की शूटिंग से बॉलीवुड के रंग में रंगा शहर

» बंटी और बबली के बाद सुधीर मिश्रा की नई फिल्म की शूटिंग, आनंद बाग, पी रोड और धनकुड़ी बने प्रमुख लोकेशन

कानपुर। औद्योगिक नगरी कानपुर अब धीरे-धीरे बॉलीवुड के लिए शूटिंग का नया पसंदीदा अड्डा बनता जा रहा है। 'बंटी और बबली' जैसी चर्चित फिल्मों के बाद अब शहर की ऐतिहासिक गलियों में मशहूर निर्देशक सुधीर मिश्रा की बहुचर्चित पीरियड ड्रामा फिल्म 'गांधी एंड माय मदर' की शूटिंग ज़ोरों पर है निर्माता अनुभव सिन्हा और नरेंद्र हिरावत के बैनर तले बन रही इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की फिल्म का तीन दिवसीय शूटिंग शेड्यूल हाल ही में रात के समय सफलतापूर्वक संपन्न हुआ शहर का आनंद बाग, पी रोड और धनकुड़ी इलाका इस समय पूरी तरह से बॉलीवुड के रंग में रंगा हुआ है। ट्रेनटिकट लैंकानपुर के पुराने मकान, तंग गलियाँ और ऐतिहासिक माहौल जल्द ही बड़े पर्दे पर

सिनेमा प्रेमियों को देखने को मिलेंगे, फिल्म की पटकथा 1946-47 के दौरान बंगाल में हुए 'नोआखली दंगों' और 'कलकत्ता नरसंहार' के दौर पर आधारित है जब 15 अगस्त 1947 को पूरा देश आजादी के जश्न में डूबा था, तब महात्मा गांधी दिल्ली के जश्न से दूर बंगाल में सांप्रदायिक हिंसा को शांत कराने के लिए आमरण अनशन और शांति यात्रा कर रहे थे फिल्म में इसी ऐतिहासिक घटनाक्रम को जीवंत किया जा रहा है फिल्म के कॉर्डिनेटर अमानुर रहमान ने बताया कि फिल्म में मुख्य भूमिका में मनोज बाजपेयी (गांधी जी के किरदार में), सौरभ शुक्ला, वहीदा रहमान और दिव्या दत्ता जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे फिल्म में पीएफसी फिल्म के उभरते कलाकार

अंशु कुमार ने एक धमाके में घायल होने का दमदार दृश्य शूट किया वहीं, स्थानीय रंगकर्मी और बॉलीवुड अभिनेता राजेन्द्र कुमार राज ने मुंबई व बंगाली कलाकारों के साथ आंदोलन और गांधी जी के मिशन को समझाते हुए शानदार अभिनय किया। इस फिल्म के जरिए कानपुर के युवाओं और स्थानीय रंगकर्मीयों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच मिला है फिल्म में शहर के कलाकार मृदुल दुबे, आकाश दुबे, अंशु कुमार, हिमांशु निषाद, राजा सिंह, प्रशांत, ऋषभ सिंह, चांद, मनोज त्रिवेदी और संजय त्रिवेदी सहित कई अन्य कलाकारों ने अभिनय किया है वहीं कानपुर के मशहूर अभिनेता राजेन्द्र कुमार राज ने बताया कि कानपुर शहर में लगातार हो रही फिल्मों की शूटिंग से जहाँ स्थानीय कलाकारों का नाम रोशन हो रहा है, वहीं रोजगार और पर्यटन के नए अवसर भी बन रहे हैं कानपुर के पुराने इलाकों का फिल्मी पर्दे पर आना हर शहरवासी के लिए गर्व का विषय है।

बाबा बड़े दयालु हैं

ओम नमः शिवायः

बाबा बड़े दयालु हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, गरीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवाई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)



श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी

हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उचित मूल्य पर उपलब्ध है।



राजू राजपूत
मो. 9839909008

पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर



बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...

CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE

30 YEARS OF EXCELLENCE

दर्द कम... जीवन सुशहाल...

आपके स्वस्थ जीवन का साथी

अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ

अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स

Wrist Band (Thumb Support)

Shoulder Immobilizer (Extra Support)

Lumbo Sacral Belt (Contour)

हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स

Knee Cap, Ankle Support, Elbow Support, Cervical Collar, Arm Sling, Wrist Support, Posture Belt, Finger Support

दुर्द से राहत बेहतर समर्थन, उच्च गुणवत्ता, वाजिब दाम बेहतर सेवा, डॉक्टरों की पहली पसंद, 30 वर्षों का विश्वास

Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर

संपर्क करें 9936442547, 7705800400

आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex - मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर



तुरन्त रजिस्ट्री
तुरन्त कब्जा लें

बिना ब्याज के

अकाना होम डेवलपर्स आवासीय प्लॉट

हमारी साईट :

- ❖ पाली
- ❖ सेन पश्चिम पारा
- ❖ मंझावन
- ❖ नौबस्ता आवास विकास
- ❖ रमईपुर
- ❖ जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्प्लेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर

Mob. : 90005315389

साई पेपर कप ग्लास गैल्यूफेब्रिक



महेंद्र पटेल
प्रबंधक



माधुरी पटेल
हजारों के

पेपर ग्लास - 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पता:- प्लॉट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर



Sahu Ji Maharaj
Restaurant



राजसी ठाट
देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लॉक किदवाई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा, नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

Since:1992

स्किन और बालों को भी मिलेंगे पोषक तत्व



